

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

गोवा में पिता ने बच्चों के लिए बनवाया स्टेडियम, नाम रखा '1919 स्पोर्ट्स'

Publisher

Published on 30 Sep 2025



खेल के प्रति जुनून और बच्चों के भविष्य के लिए समर्पण ने एक पिता को वह करने के लिए प्रेरित किया जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। दक्षिण गोवा के वेरना इलाके में एक विशाल और आधुनिक स्टेडियम का निर्माण हुआ है। खास बात यह है कि यह स्टेडियम किसी सरकारी या कॉर्पोरेट योजना का हिस्सा नहीं है, बल्कि एक पिता ने अपने बच्चों की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए खुद बनवाया है। इस स्टेडियम का नाम '1919 स्पोर्ट्स' रखा गया है, जो उनके बेटे और बेटी की जन्मतिथियों पर आधारित है।

कहानी की शुरुआत

कमला प्रसाद यादव, जो एक जाने-माने बिल्डर हैं, अब तक इमारतें बनाकर और जमीन बेचकर कारोबार करते थे। जब उन्होंने गोवा में बड़ी जमीन खरीदी, तो सभी को लगा कि वह यहां कोई बड़ी टाउनशिप या कॉमर्शियल प्रोजेक्ट बनाएंगे। लेकिन अचानक उन्होंने सबको चौंकाते हुए घोषणा की कि वह इस जमीन पर **स्टेडियम का निर्माण** करेंगे।

कारण सीधा और सच्चा था—उनके बेटे और बेटी क्रिकेट खेलना चाहते थे, लेकिन इलाके में खेलने के लिए कोई उपयुक्त मैदान नहीं था।

2021 से सपना, 2025 में हकीकत

2021 में, जब चिकालिम पंचायत के सरपंच रहे कमला प्रसाद यादव ने वेरना में यह जमीन खरीदी, तभी उन्होंने ठान लिया कि बच्चों के सपनों को पूरा करने के लिए वे इसे स्टेडियम में बदलेंगे। चार साल की मेहनत के बाद आज यह सपना हकीकत बन चुका है।

'1919 स्पोर्ट्स' स्टेडियम पूरी तरह तैयार हो गया है और अब यहां प्रशिक्षित कोचों की देखरेख में खिलाड़ी ट्रेनिंग ले पाएंगे।

उद्घाटन समारोह

स्टेडियम का उद्घाटन गोवा के मुख्यमंत्री ने किया। इस मौके पर क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक खास आकर्षण था—भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज **सूर्यकुमार यादव** भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उनकी मौजूदगी ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया।

मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा:

“गोवा में स्टेडियम का उद्घाटन एक ऐतिहासिक क्षण है। यह न केवल खेल के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह हमारे राज्य की प्रतिभा और क्षमताओं का प्रतीक है। हमें आशा है कि यह स्टेडियम हमारे युवाओं को प्रेरित करेगा और उन्हें अपने सपने साकार करने में मदद करेगा।”

बच्चों का सपना

कमला प्रसाद यादव के बेटे और बेटी दोनों क्रिकेटर बनना चाहते हैं। वे पहले से ही अच्छा खेल रहे थे, लेकिन उचित ट्रेनिंग और मैदान की कमी बाधा बन रही थी। अब यह स्टेडियम उनके लिए नई संभावनाओं का द्वार खोलेगा।

यहां उन्हें अनुभवी कोचों से नियमित प्रशिक्षण मिलेगा और बेहतर सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

स्टेडियम की विशेषताएं

- पूर्ण आकार का क्रिकेट मैदान अंतरराष्ट्रीय मानकों पर तैयार किया गया है।
- आधुनिक पिच, नेट प्रैक्टिस एरिया और फिटनेस ज़ोन बनाए गए हैं।
- दर्शकों के लिए स्टैंड और बुनियादी सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं।
- भविष्य में यहां क्षेत्रीय और राज्य स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना है।

समाज के लिए प्रेरणा

यह स्टेडियम केवल एक परिवार की निजी पहल नहीं है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। जहां एक ओर लोग अपनी जमीन और संसाधन केवल व्यावसायिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं, वहीं कमला प्रसाद यादव ने इसे बच्चों और युवाओं के भविष्य के लिए समर्पित कर दिया।

उनकी इस सोच ने यह संदेश दिया कि अगर प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर समाज के लिए कुछ करे, तो खेल और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव संभव है।

स्थानीय लोगों की प्रतिक्रिया

वेरना और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने इस कदम की खूब सराहना की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस स्टेडियम से न केवल यादव परिवार के बच्चे, बल्कि इलाके के तमाम प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी लाभान्वित होंगे।

एक स्थानीय निवासी ने कहा:

“गोवा में स्टेडियम का उद्घाटन एक ऐतिहासिक क्षण है। यह न केवल खेल के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह हमारे राज्य की प्रतिभा और क्षमताओं का प्रतीक है। हमें आशा है कि यह स्टेडियम हमारे युवाओं को प्रेरित करेगा और उन्हें अपने सपने साकार करने में मदद करेगा।”

खेल और विकास का संगम

गोवा जहां अपने समुद्र तटों और पर्यटन के लिए जाना जाता है, वहीं अब खेल अधोसंरचना में भी यह राज्य नए प्रयोग कर रहा है।

‘1919 स्पोर्ट्ज़’ स्टेडियम इसी कड़ी की एक नई पहचान बनेगा ।

यह कदम आने वाले समय में न केवल खिलाड़ियों के करियर को नई ऊंचाई देगा, बल्कि राज्य को भी खेल मानचित्र पर मजबूत स्थान दिलाएगा ।

कमला प्रसाद यादव का यह निर्णय इस बात का प्रमाण है कि **खेल का असली मैदान सपनों और इच्छाशक्ति से बनता है** । उन्होंने अपने बच्चों की छोटी सी चाह को पूरे समाज के लिए प्रेरणा बना दिया ।

‘1919 स्पोर्ट्ज़’ स्टेडियम सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि एक पिता के समर्पण, दूरदर्शिता और बच्चों के भविष्य के प्रति उनके विश्वास की मिसाल है ।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.